2024

HINDI

(Honours Core)

Paper : HIN–HC–3016

(छायावादोत्तर हिन्दी कविता)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) किस कवि का उपनाम 'एक भारतीय आत्मा' है?

(ख) 'आधुनिक काव्यधारा' के सम्पादक कौन हैं?

(ग) 'कलगी बाजरे की' कविता किस काव्य-ग्रंथ से उद्धृत है?

(घ) माखनलाल चतुर्वेदी को साहित्य अकादमी पुरस्कार किस काव्य-ग्रंथ के लिए मिला था?

(ङ) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के किसी एक काव्य-ग्रंथ का नाम लिखिए।

(च) नागार्जुन का वास्तविक नाम क्या है?

(छ) 'चन्द्र गहना से लौटती बेर' शीर्षक कविता में कवि क्या देखकर लौटा था?

(ज) भवानी प्रसाद मिश्र के किसी एक कविता-संग्रह का नामोल्लेख कीजिए।

(झ) रामधारी सिंह 'दिनकर' किस काव्यधारा से सम्बद्ध हैं?

(ञ) "प्रभुता का शरण-बिम्ब केवल ______ है।" रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) 'कई दिनों तक चूल्हा रोया' —उक्त पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख)

जी हाँ हुज़ूर, मैं गीत बेचता हूँ।
मैं तरह-तरह के
गीत बेचता हूँ;
मैं सभी किसिम के गीत
बेचता हूँ।

प्रस्तुत पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) अज्ञेय का पूरा नाम क्या है? वे किस युग के प्रमुख कवि हैं?

(घ) रघुवीर सहाय की कविताओं का मूल स्वर क्या है?

(ङ) पठित कविताओं के आधार पर सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कविताओं की कोई दो विशेषताएँ बताइए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'दुःख' शीर्षक कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

(ख) भवानी प्रसाद मिश्र की कविताओं की किन्हीं तीन विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ग) "'आज है केसर रंग रंगे वन' में सौन्दर्य-अनुभूति का मानवीकरण हुआ है।" स्पष्ट कीजिए।

(घ) कवि ने 'कैदी और कोकिला' शीर्षक कविता में किस शासन की तुलना तम से की है और क्यों?

(ङ) 'यह दंतुरित मुस्कान' शीर्षक कविता का भावार्थ लिखिए।

(च)

"मेरे नगपति! मेरे विशाल!
साकार दिव्य गौरव विराट,
पौरुष के पुंजीभूत ज्वाल!
मेरी जननी के हिम किरीट!"

प्रस्तुत पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) 'माँझी न बजाओ बंशी मेरा मन डोलता' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"'अकाल और उसके बाद' कविता में नागार्जुन ने अकाल के समय की कठिनाइयों और उसके बाद की आशा का चित्रण किया है।" प्रस्तुत कथन के आलोक में 'अकाल और उसके बाद' कविता की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'चन्द्र गहना से लौटती बेर' कविता की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'बूँद टपकी एक नभ से' शीर्षक कविता की मूल संवेदना को रेखांकित कीजिए।

(ग) रघुवीर सहाय की कविताओं के माध्यम से उनकी प्रगतिवादी विचारधारा को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'छाया मत छूना, मन' शीर्षक कविता के मूल भाव को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

(घ) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

हरी बिछली घास।
दोलती कलगी छरहरी बाजरे की।
अगर मैं तुमको,
ललाती साँझ के नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता,
या शरद के भोर की नीहार न्याही-कुँई,

अथवा

मुझे तोड़ लेना वनमाली!
उस पथ पर देना तुम फेंक,
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ जावें वीर अनेक।

★★★